MP BOARD CLASS 10 HINDI GENERAL QUESTION PAPER WITH ANSWER-2017
म. प्र. बोर्ड कक्षा 10 हिन्दी सामान्य प्रश्न पत्र एवम उत्तर 2017

निर्देश:

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1×5 =5 अंक निर्धारित हैं। कुल अंक 1×5×5=25 हैं।

3. प्रश्न क्रमांक 6 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए दो-दो अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है।

4. प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए तीन-तीन अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 30 से 75 शब्द है।

5. प्रश्न क्रमांक 22 से 24 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए चार-चार अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 75 से 120 शब्द है।

6. प्रश्न क्रमांक 25 से 27 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच-पाँच अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा 120 से 150 शब्द हैं।

7. प्रश्न क्रमांक 28 के लिए शब्द सीमा 200 से 250 शब्द निर्धारित है। तथा 10 अंक (7+3) निर्धारित है। खण्ड-अ के लिए 7 अंक तथा खण्ड-ब के लिए 3 अंक है।

प्र.1. सही विकल्प का चयन कीजिये: 1×5=5

1. बड़ी कठिनाई से प्राप्त होने वाली को क्या कहेंगे?
(अ) कठिन (ब) दुर्लभ (स) अप्राप्त (द) सुलभ।

2. परेश पढ़-लिखकर किस पद पर पहुँचा?
(अ) नायाब तहसीलदार (ब) तहसीलदार
(स) कलेक्टर (द) मुंशी।

3. ''रात्रि'' शब्द का पर्यायवाची है-
(अ) अंधकार (ब) धन (स) यामिनी (द) दामिनी।

4. ''तुलसीदास'' का राम से कैसा नाता है?
(अ) मित्र (ब) भाई (स) रिश्तेदार (द) भक्त और भगवान।

5. निबंध रचना का प्रारंभ माना जाता है-
(अ) भारतेन्दु युग (ब) शुक्ल युग (स) द्विवेदी युग (द) शुक्लोत्तर युग।

उत्तर: (1) (ब) दुर्लभ (2) (अ) नायाब तहसीलदार
(3) (स) यामिनी (4) (द) भक्त और भगवान का (5) (अ) भारतेन्दु युग

प्र.2. दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 1×5=5

1. नाटक के ....तत्व होते हैं। (छः / चार)

2. ''राजपुत्र'' में ....समास है। (कर्मधारय / तत्पुरुष)

3. योगी अरविन्द की पत्नी का नाम ....था। (मृणालिनी/मालिनी)

4. ''हँसिए और स्वस्थ रहिए'' के रचनाकार ....हैं।
(सरदार पूर्ण सिंह/श्री राम शर्मा आचार्य)

5. द्विजगण ....सुनाते हैं। (भजन/शंखोच्चार)

उत्तर: (1) छः (2) तत्पुरुष (3) मृणालिनी (4) श्री राम शर्मा आचार्य (5) शंखोच्चार

प्र.3. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य का चयनकर लिखिए। 1×5=5

1. शबरी कविता पौराणिक प्रसंग पर आधारित है।
2. कजली गीत शीत ऋतु में गाए जाते हैं।
3. ''ईश्वर आपका कल्याण करे'' इच्छावाचक वाक्य है।
4. अर्थ के आधार पर वाक्यों को दस भागों में बाँटा जा सकता है।
5. कर्मवीर कविता में ओजगुण है।

उत्तर: सत्य/असत्य

(1) सत्य (2) असत्य (3) सत्य (4) असत्य (5) सत्य

प्र.4. सही जोड़ी बनाइये: 1×5=5

1. उत्थान – (अ) कभी न आने वाला
2. अतिथि – (ब) सात सौ
3. गीता के श्लोक – (स) गजल
4. दुष्यन्त कुमार – (द) पतन
5. खण्डहर के हृदय सी – (इ) छैः सौ अस्सी

– (फ) मेहमान

– (म) आदमी की पीर

उत्तर: (1) उत्थान - (द) पतन

(2) अतिथि - (फ) मेहमान

(3) गीता के श्लोक - (ब) सात सौ

(4) दुष्यन्त कुमार - (स) गजल

(5) खण्डहर के हृदय सी - (म) आदमी की पीर

प्र.5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए: 1×5=5

1. कलिंग की महारानी कौन थी?
2. द्विवेदी जी को सरस्वती पत्रिका से कितने रुपये की आमदनी होती थी?
3. धर्म, दर्शन, साहित्य, कला किसके अंग हैं?
4. ''उच्चारण'' शब्द का संधि विच्छेद कर संधि का नाम बताएँ।
5. ''रिक्शा'' किस भाषा का आगत शब्द है?

उत्तर: (1) कलिंग की महारानी अमिता थी।

(2) द्विवेदी जी को सरस्वती पत्रिका से बीस रुपये और तीन रुपये डाक खर्च की आमदनी होती थी।

(3) धर्म, दर्शन, साहित्य, कला संस्कृति के अंग है।

(4) उत्+चारण (व्यंजन सन्धि)

(5) ''रिक्षा'' जापानी भाषा का आगत शब्द है।

प्र.6. धर्म का मथा हुआ सार क्या है? 2

उत्तर : डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल ने अपने निबंध ''संस्कृति का स्वरूप'' में बताया है कि धर्म से ही मनुष्य का कल्याण होता है। धर्म से ही व्यक्ति प्रगति करता है। धर्म मनुष्य को उन्नति का मार्ग दर्शाता है। इससे मनुष्य लगातार उन्नति के मार्ग पर बढ़ता चला जाता है। इस प्रकार धर्म का मथा हुआ सार प्रयत्नपूर्वक अपने आप को ऊँचा बनाना है।

अथवा

mpcareer.in

मुक्त हास्य से क्या क्या लाभ है?

प्र.7. कल्याकुमारी और गोश्रीनगर भारत के किन राज्यों में स्थित है? 2
उत्तर: भारत का दक्षिणी भाग अपने प्राकृतिक सौन्दर्य से पूर्ण है। यहाँ हमें प्रकृति का मनोरम रूप देखने को मिलता है। कन्याकुमारी तमिलनाडु प्रदेश में स्थित है और गोश्रीनगर (कोचीन) केरल प्रदेश में स्थित है। ये तीनों ही अपनी प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण हैं।

अथवा
होशंगाबाद में द्विवेदी जी ने क्या नई उपलब्धियाँ प्राप्त की?

प्र.8. श्रेष्ठ कहानी की विशेषताएँ बताइये। 2

अथवा
हिन्दी में उपन्यास सम्राट किसे कहा जाता है? उनके कोई दो उपन्यास के नाम लिखिये।
उत्तर: हिन्दी में उपन्यास सम्राट ''मुंशी प्रेमचन्द'' को कहा जाता है। उनके उपन्यास बहुत ही अद्भुत और सार्थक हैं। उन्होंने उपन्यास विधा के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है।
प्रेमचन्द्र के दो श्रेष्ठ उपन्यास 'गोदान' तथा 'गबन' हैं।

प्र.9. नाटक और कहानी में कोई दो अंतर लिखिये। 2

अथवा
जीवनी और आत्मकथा में कोई दो अंतर लिखिये।
उत्तर (आत्मकथा)
(1) आत्मकथा में लेखक स्वयं के जीवनवृत को लिखता है।
(2) आत्मकथा में सत्य का ही अंकन करना होता है।
(जीवनी)
(1) जीवनी में लेखक किसी अन्य के जीवनवृत को प्रस्तुत करता है।
(2) जीवनी में दूसरे के जीवनवृत के तथ्यों की सत्यता निश्चित नहीं होती।

प्र.10 निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए। (कोई दो) 2
अंगूठा, करोड़, गरज, तिनका

अथवा
निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिये।
1. चन्द्रमा 2. पत्थर
उत्तर: (1) चन्द्रमा - चाँद, मयंक
(2) पत्थर - प्रस्तर, पाषाण

प्र.11. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये: (कोई दो) 2
कीर्ति, निर्मल, कृतज्ञ, अतिवृष्टि
उत्तर: विलोम :
कीर्ति - अपकीर्ति

mpcareer.in

कृतज्ञ - कृतघ्न

अथवा

निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कर संधि का नाम लिखिए।

1. देवालय 2. निष्पाप

प्र.12. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए। 2

1. जिसका अन्त न हो।

2. जो आसानी से प्राप्त हो जाता है।

उत्तर: (1) जिसका अन्त न हो = □अनन्त

(2) जो आसानी से प्राप्त हो जाता है □= सुलभ

अथवा

निम्न शब्दों का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

1. आमरण 2. चन्द्रमुख

प्र.13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए: 2

1. काग़ज़ काला करना। 2. टस से मस न होना।

उत्तर: मुहावरे

(1) कागज़ काला करना - व्यर्थ में को कार्य करना।

प्रयोग - मोहन को परीक्षा में कुछ आता तो नहीं था लेकिन फिर भी कागज काला कर आया।

(2) टस से मस न होना- अटल रहना

प्रयोग- ब्रिटिश सरकार की प्रताड़ना के बाद भी महात्मा गाँधी टस से मस नहीं हुए।

अथवा

नीचे लिखे खण्ड में उपयुक्त विराम चिन्ह लगाइए।

''हे नवयुवाओं देश भर की दृष्टि तुम पर है लगी हे मनुज जीवन की तुम्हीं में ज्योति सबसे जगमगी दोगे न तुम तो कौन देगा योग देशोद्धार में देखो कहाँ क्या हो रहा है आजकल संसार में''

प्र.14. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिये: 2

1. उसे लगभग पूरे प्राप्तांक प्राप्त हुए हैं।

2. मैं आपकी श्रद्धा करता हूँ।

अथवा

निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिये:

1. वह अपने घर गया। (प्रश्नवाचक)

2. प्रवीण कक्षा का सबसे बुद्धिमान विद्यार्थी है।

(बिना भाव परिवर्तन किये निषेधवाचक वाक्य)

उत्तर: वाक्य परिवर्तन

(1) क्या वह अपने घर गया?

(2) कक्षा में प्रवीण से बुद्धिमान विद्यार्थी कोई नहीं है।

mpcareer.in

प्र.15. संधि और समास में प्रमुख अंतर बताइए। 2

अथवा

रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते है? नाम लिखिए।

उत्तर: रचना के आधार पर वाक्य के तीन प्रकार होते हैं-

(1) सरल वाक्य (2) मिश्र वाक्य (3) संयुक्त वाक्य

प्र.16. तुलसीदास जी ने परमहित किसे कहा है? 3

उत्तर: भगवान राम के परम भक्ति तुलसीदास यह मानते हैं कि भगवान की भक्ति से ही मनुष्य की सभी चिंताएँ मिट जाती हैं। राम-नाम के जाप से ही मानव का कल्याण संभव है। मनुष्य को परम आनन्द राम के चरणों में ध्यान लगाने से ही मिलता है। इसलिए तुलसीदास उसी को परमहित मानते हैं जिसमें श्री राम के प्रति प्रेमभाव की बढ़ोत्तरी हो।

अथवा

''पोटली विष की भरी है'' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र.17. शबरी के किस भाव को देखकर श्री राम हँस पड़े? 3

अथवा

वर्षा के आगमन पर धरती में क्या-क्या परिवर्तन होते है?

उत्तर: कवि रमानाथ अवस्थी ने अपनी कविता 'बरखा गीत' में वर्षा के प्रभाव का उल्लेख किया है। वे कहते है कि वर्षा के आने से धरती हरी-भरी हो जाती है। सूखी धरती गीली हो जाती है। वाटिकाएँ सुगंध से महक उठती हैं। इस वर्षा के आगमन से पेड़ों की छाया घनी हो जाती है। बरखा के आगमन से धरती सुंदरता में चार चाँद लग जाते हैं। यह वर्षा धरती की सुंदरता को बढ़ा देती है।

प्र.18. कर्मवीर कौन-कौन से बड़े काम करके दिखा देते हैं? 3

उत्तर: अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' जी ने अपनी कविता 'कर्मवीर' में कर्म की महिमा का वर्णन किया है। जो कर्मवीर होते हैं वे असंभव कार्य को भी संभव कर देते हैं। उनके कर्म में इतनी शक्ति होती कि वे पर्वतों को काटकर सड़के तैयार कर देते हैं। तपते हुए रेगिस्तान में जहाज़ चला देते हैं। सुनसान जंगलों में महान आनंद की रचना कर देते हैं। वे अपने कर्म के द्वारा कोयले को हीरा और पत्थर को रत्न बना देते हैं। वे अपने कर्म के द्वारा यह सब कर पाते हैं। कर्म में विश्वास रखने वाले वीर ही ऐसे अद्भुत कार्यों को अंजाम दे सकते हैं।

अथवा

''शब्द समूह खो गया है'' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

प्र.19. अति व्यस्तता ने मानव जीवन को किस प्रकार प्रभावित किया है? 3

उत्तर: श्री राम शर्मा आचार्य ने अपने निबंध हँसिए और स्वस्थ रहिए में बताया है कि आज अति व्यस्तता ने मानव जीवन को बहुत प्रभावित किया है। आज इंसान के पास हँसने का समय ही नहीं है। समय है तो केवल तनाव, चिंता और परेशानी के लिए। आज का मानव हँसना, खिलखिलाना भूल ही गया है। इसकी वजह से उसे अनेक रोगों ने घेर लिया है जैसे सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग

mpcareer.in

आदि। जिसके कारण आदमी के अन्दर का आनन्द और उत्साह समाप्त हो रहा है। इसलिए मानव को अपने जीवन में काम करने के साथ ही हँसना भी चाहिए।

अथवा
कौन से मनुष्य आत्म-हनन का मार्ग अपनाते हैं?

प्र.20. ''कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। छोटी-बड़ी सभी डालियां उसकी छाया को बढ़ाती हैं'' इस कथन की व्याख्या कीजिए। 3
उत्तर: 'सूखी डाली' एकांकी में उपेन्द्रनाथ ने बताया है कि कुटुम्ब एक महान वृक्ष के समान होता है। उन्होंने संयुक्त परिवार का प्रतीक वटवृक्ष को माना है और उसकी डालियाँ परिवार के सदस्यों को माना है।
वे कहते हैं कि कुटुम्ब एक महान वृक्ष है। जिस प्रकार वट वृक्ष छाया और शीतलता प्रदान करता है वैसे ही मुखिया के संरक्षण में संयुक्त परिवार सुख और शान्ति से रहता है। जिस प्रकार डालियों से पेड़ की छाया घनी होती है वैसे ही परिवार के सदस्यों से उसकी शोभा होती है। छोटी-बड़ी सभी डालियाँ मिलकर वृक्ष की छाया को घना बनाती हैं वैसे ही परिवार के छोटे-बड़े सभी सदस्य मिलकर जीवन को सुखी बनाते है। इसलिए कुटुम्ब एक महान वृक्ष के समान है।

अथवा
जीवन में समय की पाबंधी के साथ-साथ कुछ लचक रखना भी क्यों जरूरी है?

प्र.21. कवि माघ को वृद्धा के सामने लज्जित क्यों होना पड़ा? 3

अथवा
मनुष्य का साधारण जीवन श्रेष्ठता कब प्राप्त कर सकता है?
उत्तर: सरदार पूर्णसिंह ने अपनी अनुपम कृति 'मजदूरी और प्रेम' में श्रम और मजदूरी की महिमा को उजागर किया है। वे कहते हैं कि जब तक मनुष्य सीमित रहकर परम्परागत जीवन जीता है तब तक उसके उठने की संभावना बहुत कम रहती है। खुले वातावरण में बुद्धि और आत्मा को तरोताजा बनाना आवष्यक है। निकम्मे रहकर चिंतन करते नवीनता का दावा करना व्यर्थ है। परिश्रम करना ही मानव धर्म है। मजदूरी करने वाले को खुदा नजर आने लगता है। मजदूर की अनाथ नजर, अनाथ आत्मा सहारे रहित जीवन की बोली सीखने पर आदमी का जीवन श्रेष्ठता को प्राप्त कर सकता हैं।

प्र.22. सम्राट अशोक के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिये।
उत्तर: सम्राट अशोक का चरित्र महान है। वह भारत में जन्म शूरवीर राजाओं में से एक है। अशोक के चरित्र की विषेषताएँ निम्नलिखित हैं-
महत्वाकांक्षी-
सम्राट अशोक की इच्छाएँ बहुत ऊँची हैं। वे सम्पूर्ण पृथ्वी पर विजय प्राप्त करना चाहते थे। उन्होंने इसके लिए प्रतिज्ञा ली थी।
वे विश्वविजयी सम्राट बनना चाहते थे।
वीर योद्धा- अशोक एक वीर योद्धा थे। वे विश्व पर विजय प्राप्त करने के लिए बिना किसी डर के निरन्तर युद्ध करते हैं। अच्छे-अच्छे राजा उनकी वीरता के सामने अपने घुटने टेक दिया करते थे।

mpcareer.in

गतिषील चरित्र- अशोक का चरित्र गतिषील है। परिस्थितियों के अनुसार उसके स्वभाव में परिवर्तन आता है। अमिता के मर्मस्पर्शी प्रश्न उसे परास्त कर देते हैं और उसका हृदय परिवर्तित हो जाता है।
बुद्धिमान- अशोक एक बुद्धिमान और विवेकशील सम्राट है। वह अहंकार में कार्य नहीं करता। अमिता के अबोध उसे झकझोर देते हैं और हिंसा तथा युद्ध को सदा के लिए त्याग देता है। इस प्रकार अशोक में महान सम्राट के सभी गुण हैं।

अथवा
अर्जुन ने इन्द्र से अपनी विद्या का उपयोग किन-किन के लिए करने को कहा था?

प्र.23. ''वह देश कौन-सा है?'' कविता में कवि ने भारत देश की कौन-कौन सी विशेषताएं बताई हैं? इस कविता के कवि का नाम क्या है? 4
उत्तर: पं. श्री रामनरेश त्रिपाठी जी ने अपनी कविता ''वह देष कौन-सा है?'' में भारत की महानता का उल्लेख किया है और इसकी विशेषताओं को बताया हैं। वे कहते हैं कि भारत प्रकृति की गोद में बसा हुआ है। इसकी भौगोलिक स्थिति बहुत उत्तम है। उत्तर में स्थित हिमालय, इसके मुकुट के समान शोभायमान है। दक्षिण दिषा के सागर इसके चरणों को धोते रहते है अर्थात् इसकी वन्दना करते रहते हैं। इसकी धरती बड़े ही सरल फल-फूल, मेवा, अनाज आदि देती रहती है। यह धरती हमें अनेक प्रकार के खनिज पदार्थ और रत्न देती है जैसे सोना, चाँदी, लोहा, हीरा, आदि। यहाँ की नदियाँ भूमि को सींचती रहती है। यहाँ के सागर अनेक रत्न प्रदान करते हैं। यहाँ की धरती धन-धान्य से परिपूर्ण है। यहाँ वन, पर्वत, नदियाँ, वाग-बगीचे, पेड-पौधे यहाँ की सुंदरता को बढ़ाते हैं। यहाँ हर मौसम में अलग-अलग ऋतुओं का आगमन होता है जो इसके सौंदर्य को और भी निखार देते हैं।
इस देष ने संसार को शिक्षित किया है। उसे मानवता का बोध कराया है। उसे मानवता का बोध कराया है यहाँ के राम, लक्ष्मण, भरत जैसे महानायक विष्व में प्रसिद्ध हैं। इस प्रकार कवि ने भारत की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन इस कविता में किया है।
''भारत की इस महिमा को देख रहा जग सारा है।
सबसे प्यारा, सबसे न्यारा भारत देश हमारा है।।

अथवा
''सत की नाव खेवटिया सतगुरू'' पंक्ति का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। इस पंक्ति को लिखने वाले कवि /कवयित्री का नाम क्या है?

प्र.24. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजियेः 4
''इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है।
एक चिनगारी कहीं से ढूँढ लाओ दोस्तों,
इस दिये में तेल से भीगी हुई बाती तो है।''
उत्तर: संदर्भ- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'वासंती'' के ''इस नदी की धार में'' नामक पाठ से लिया गया है। इनके रचयिता श्री दुष्यन्त कुमार जी हैं।
प्रसंग- इस पद्यांश में कवि ने जीवन के प्रति आशा का भाव जगाया है। यहाँ कवि ने कष्टों में जीने वाले मनुष्यों के कल्याण की बात कही है।

व्याख्या - कवि कहते हैं कि हमारी जीवन रूपी नदी में भले ही धार क्षीण है लेकिन उससे ठण्डी हवा अर्थात् शान्ति और सन्तोष तो आती ही है। नाव भले ही जर्जर हो लेकिन लहरों से टकराते हुए किनारे तक तो पहुँचा ही देती है। वे कहते हैं कि दुःखों और अभावों में जीने वाले लोगों को बस एक सहारे की जरूरत होती है।
ठस जीवन रूपी दिये में आशा रूपी तेल से भीगी बाती तो है। बस एक चिंगारी की आवश्यकता है। अर्थात् कवि प्रेरणा देते है कि अगर कष्टों में जीने वाले मनुष्यों को सहारा मिल जाए तो उनका जीवन सुखद बन सकता है।
काव्य सौंदर्य - (1) जीवन में आषा का भाव जगाया गया है।
(2) सरल, सुबोध, खड़ी बोली।
(3) अनुप्रास अलंकार।

अथवा
''बढ़ रही हैं दूरियाँ
औं वर्ग नित नव बन रहे हैं,
क्षीर में ही अम्ल ज्यों
सम्बन्ध ही बस फट रहे हैं,
अजन को रूपान्तरित कर दे
स्वजन में जो, तुम्हीं हो
विजन की बस्ती बनाने हेतु आगे पग धरोगे।''

प्र.25. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये: 2+2+1=5
''कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। वह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। यदि किसी युवा पुरुष की संगति बुरी होगी तो वह उसके पैर में बँधी चक्की के समान होगी जो उसे दिन-दिन अवनति के गढ्ढे में उतारती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बहू के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी''।
1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिये।
2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लगभग 25 शब्दों में लिखिए।
3. कुसंग से क्या नुकसान हो सकता है?
उत्तर अपठित गद्यांष
(1) शीर्षक - ''संगति का प्रभाव''।
(2) इस गद्यांश में बताया गया है कि मनुष्य पर संगति का बहुत असर होता है। अगर वह कुसंग में रहता है तो उसकी बुद्धि और आचरणों का क्षय होता है। यदि वह सुसंगति में रहता है तो उसके चरित्र का निर्माण होता है और वह लगातार प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहता है।
(3) कुसंग से न केवल नीति और सद्वृत्ति का नाश होता है बल्कि हमारे विवके, बुद्धि और आचरणों का भी क्षय होता है और हमारा पतन होता है।

प्र.26. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2+2+1=5
''चलना मुझे है, बस अंत तक चलना,
गिरना ही नहीं, मुख्य है संभलना।
गिरना क्या उसका उठा ही नहीं जो कभी?
मैं ही तो उठा था आप, गिरता हूँ जो कभी?

mpcareer.in

फिर भी उठूँगा और बढ़के रहूँगा मैं,
नर हूँ पुरुष हूँ, मैं चढ़के रहूँगा मैं।''

1. इस पद्यांश का मुख्य भाव क्या है?
2. अंतिम पंक्ति पुरुष के किस गुण का बताती है?
3. पद्यांश में ऐसे दो शब्द छाँटिए जो एक-दूसरे के विलोम है।

उत्तर: पद्यांश:

(1) इस पद्यांश में बताया गया है कि हमे कभी रूकना नहीं चाहिए। यदि हम गिरे तो हमें फिर से संभलकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ना चाहिए और लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए।

(2) अंतिम पंक्ति नर के पौरूष और हौसले को बताती है कि हमें कभी घबराना नहीं चाहिए और आगे बढ़ते रहना चाहिए।

(ग) गिरना - उठना।

प्र.27. अपने विद्यालय के प्राचार्य को अपनी पारिवारिक परिस्थिति बताते हुए शुल्क मुक्ति हेतु आवेदन पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपनी छोटी बहन को पत्र लिखकर परीक्षा समय में स्वस्थ रहने के महत्वपूर्ण तरीके बताइये।

उत्तर: पत्र

150, सुरेश नगर
ग्वालियर (म.प्र.)
दिनांक: 27/03/17

प्रिय सोनम,

सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि वहाँ भी कुशल-मंगल होगा। मैंने यह पत्र तुम्हें परीक्षा के समय स्वस्थ रहने के तरीके बताने के लिए लिखा है। जैसा कि तुम जानती है कि इस समय सभी कक्षाओं की परीक्षाएँ चल रही हैं। इस समय तुम्हारा स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। तुम अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखो और नियमित रूप् से व्यायाम करो। तुम सुबह उठकर योग और प्राणायाम किया करो। इससे मन शान्त और मस्तिष्क सक्रिय रहता है। तुम अपने सोने और उठने का समय भी निश्चित कर लो। आषा है कि तुम मेरी सलाह मानकर अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखोगी।

तुम्हारा प्रिय भाई
राहुल

प्र.28 (अ) निम्नलिखित विषयो में से किसी एक विषय पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिये। 7

1. पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण का योगदान।
2. ''साहित्य समाज का दर्पण है।''
3. व्यायाम एवं स्वास्थ्य।
4. कम्प्यूटर- आज की आवश्यकता।
5. जनसंख्या वृद्धि।

mpcareer.in

उत्तर: निबध - ''कम्प्यूटर आज की आवश्यकता''

रूपरेखा-

1. प्रस्तावना
2. कम्प्यूटर का विकास एवं इतिहास
3. कम्प्यूटर क्या है?
4. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता
5. कम्प्यूटर से खतरा
6. उपसंहार

प्रस्तावना:- आज मानव ने विज्ञान के द्वारा विभिन्न चमत्कार किए हैं, उन्हीं में से एक है कम्प्यूटर का आविष्कार। आज का युग कम्प्यूटर का युग है। आज इसका प्रयोग घर, बाजार, विद्यालय, कार्यालय, बैंक, उद्योगों सभी जगह हो रहा है।

कम्प्यूटर का विकास एवं इतिहास - कम्प्यूटर का आविष्कार बहुत पुराना है। यह बात 1000 ई. पूर्व का है जब जापान में ऐबेंकस नामक यन्त्र का आविष्कार हुआ। इसके द्वारा गणित के सवाल हल किए जाते थे। फ्रांस में एक प्रतिभाशाली युवक का जन्म हुआ जिसका नाम था ब्लेन पैस्कल। इसने सन् 1673 में कम्प्यूटर तैयार किया।

आधुनिक कम्प्यूटर का आविष्कार इंग्लैण्ड के चार्ल्स बैबेज ने सन् 1833 में किया।

कम्प्यूटर क्या है- कम्प्यूटर एक यान्त्रिक मस्तिष्क है जिसमे अनेक गणित विषयक सूत्रो-तथ्यों का संचालन- कार्यक्रम पहले से ही सम्पादित कर देना पड़ता है। यह बहुत ही कम समय में गणना करके तथ्यों को हमारे सामने प्रस्तुत कर देता है।

कम्प्यूटर आज की आवश्यकता - कम्प्यूटर आज हर क्षेत्र में आवश्यक हो गया है, इसका उपयोग घरों में, विद्यालयों में, संस्थानों में, उद्योगों में हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में इसने अभूतपूर्व योगदान दिया है। आज हम सारे संसार की जानकारी इसके द्वारा मिनटों में प्राप्त कर सकते हैं। कम्प्यूटर की वजह से बैंकों का काम आसान हो गया है। आज कहीं पर भी इसके द्वारा पैसे भेज सकते हैं। इसने सूचना प्रसारण में एक नई क्रांति ला दी है।

कम्प्यूटर के माध्यम से हम रेल का टिकट बुक कर सकते है, हवाई यात्रा का टिकट रिजर्व कर सकते हैं। प्रयोगशालाओं में इसका उपयोग अन्तरिक्ष के नए-नए रहस्यों को जानने के लिए हो रहा है।

कम्प्यूटर से खतरा - आज हम कम्प्यूटर पर आवश्यकता से अधिक आश्रित हो गये हैं। यह मानव की तरह कार्य तो कर सकता है लेकिन इंसान की तरह सोच नहीं सकता। यह मानवीय भावनाओं से रहित है। कम्प्यूटर कई लोगों का कार्य मिनटों में कर देता है इसलिए इससे बेरोजगारी की समस्या बढ़ रही है।

इसमें आँकड़ों में हेर-फेर का खतरा भी बना रहता है जो कि सारी मेहनत पर पानी फेर देता है। इसलिए इसका उचित प्रयोग ही आवश्यक है।

उपसंहार - कम्प्यूटर का प्रयोग कीजिए, मगर सावधानी से। आवश्यकता से अधिक इस पर आश्रित होना मानव मस्तिष्क की अवहेलना करना है।

हमें इसका सही प्रयोग ही करना चाहिए। इसको स्वामी न मानकर सेवक की तरह अंगीकार करना चाहिए। आज कम्प्यूटर हमारे देश के विकास में सहायता कर रहा है और इसी के द्वारा भारत एक दिन विकसित देशों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाए चलेगा और लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा।

mpcareer.in

(ब) उपर्युक्त विषयों में से जिस विषय पर निबंध लिखा गया हो, उसे छोड़कर शेष विषयों में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए। 3

mpcareer.in